

>

Title: Regarding purchase of a second-hand aircraft carrier, Gorshkov.

SHRI BASU DEB ACHARIA : I will raise one matter.

Madam, a deal to purchase a second-hand aircraft carrier, Gorshkov with Russia was signed in the month of January 2004. It is a second-hand aircraft carrier and there was a protracted price negotiation. It continued for two years. The original price of this second-hand aircraft carrier was 875 million US dollars. Madam, you would be surprised to know that the price escalation was 20 times. It increased to 1.2 billion from 875 million US dollars. The price increased to 1.2 billion. That too, this expenditure is for a second-hand aircraft carrier which has already completed half of its codal life. The Comptroller and Auditor General of India has seriously questioned the Government's decision to purchase a second-hand aircraft carrier with such an escalated price. What was the vision behind agreeing to such an escalated price for a second-hand aircraft carrier?

Madam, I demand that the Government owes an explanation to this House and the hon. Minister of Defence should make a statement clarifying as to what was the vision that why such a second-hand aircraft carrier was purchased and as to why from the original price of 875 million US dollars it was allowed to be increased by 20 times to 1.2 billion US dollars. I demand that the hon. Minister of Defence should make a statement clarifying the Government's position in regard to purchase of a second-hand aircraft carrier. Thank you.

**अध्यक्ष महोदया :** श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन।

**श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर):** महोदया, मैं आपके माध्यम से बिहार सरकार...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप उन्हें बोलने दीजिए। वे खड़े हो गये हैं, पहले उन्हें बोलने दीजिए।

**श्री बसुदेव आचार्य :** महोदया, मुलायम सिंह जी को बोल लेने दीजिए।...(व्यवधान) ये भूतपूर्व रक्षा मंत्री हैं, इन्हें बोलने दीजिए।

**श्री मुलायम सिंह यादव :** महोदया, मुझे बोलने की अनुमति है या नहीं है।

**अध्यक्ष महोदया :** आप अपने आप को बसुदेव आचार्य जी से सम्बद्ध करना चाह रहे हैं।

\*m02

**श्री मुलायम सिंह यादव :** महोदया, केवल दो मिनट दे दीजिए।

**अध्यक्ष महोदया :** आप स्थान ग्रहण कर लीजिए। हमने इन्हें बुला दिया है, ये समाप्त कर लेंगे तब हमारे पूर्व रक्षा मंत्री बोलेंगे।

**श्री मुलायम सिंह यादव :** माननीय अध्यक्ष महोदया, माननीय बसुदेव आचार्य जी ने जो सवाल उठाया, वह महत्वपूर्ण और गंभीर सवाल है। एक बात यह है कि सैकेंड हैंड और रद्दी जहाज़ खरीदे गए। दूसरा, वैज्ञानिकों ने बताया है कि यह जहाज़ 20 साल की मियाद वाले थे जबकि इससे कम कीमत का और ज्यादा मियाद वाले जहाज़ वे बना सकते हैं जो 40-50 साल तक चल सकते थे। क्या वजह है कि रद्दी जहाज़ ज्यादा कीमत पर खरीदे गए और हमारे देश के वैज्ञानिक कह रहे हैं कि हम इससे सस्ता जहाज़ बना सकते हैं जिसकी मियाद भी कम से कम 40 साल होगी, जबकि इसकी मियाद मुश्किल से 20 साल की है। क्या वजह है, यह सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। इस मामले का रक्षा मंत्रालय से संबंध है, देश की सुरक्षा से संबंध है और हमारी सेना को भी खतरा उठाना पड़ सकता है। आपको बताना चाहिए कि क्या कारण है? पूरा देश इस बात को जानता है। देश को यह बताना चाहिए कि यदि आधी कीमत का जहाज़ बनता है और उसकी मियाद ज्यादा है और वह बेहतर काम करता है तो वजह क्या है दूसरा जहाज़ लेने की? माननीय नेता सदन को इस पर जवाब देना चाहिए, यह देश की सुरक्षा का सवाल है। ...(व्यवधान) रक्षा मंत्री नहीं हैं तो नेता सदन जवाब दे सकते हैं।